

## अध्याय 1

### लाख की चूड़ियाँ

#### 1 अंक वाले प्रश्न

1. "लाख की चूड़ियाँ" किस विषय पर आधारित है?

उत्तर: "लाख की चूड़ियाँ" महिला सशक्तिकरण और समाज में महिलाओं की भूमिका पर आधारित है।

2. "लाख की चूड़ियाँ" फिल्म किस वर्ष रिलीज़ हुई थी?

उत्तर: "लाख की चूड़ियाँ" फिल्म 2002 में रिलीज़ हुई थी।

3. "लाख की चूड़ियाँ" फिल्म का मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर: इस फिल्म का मुख्य संदेश है महिलाओं के सम्मान और समाज में उनकी स्थिति को समझना और महिलाओं की सशक्तिकरण की अहमियत को प्रस्तुत करना।

4. "लाख की चूड़ियाँ" फिल्म का निर्देशक कौन था?

उत्तर: फिल्म "लाख की चूड़ियाँ" के निर्देशक भीम सैन थे।

5. इस फिल्म में मुख्य किरदारों की कितनी बहनें होती हैं?

उत्तर: "लाख की चूड़ियाँ" में तीन मुख्य किरदारों की तीन बहनें होती हैं।

6. फिल्म में समाज में महिलाओं की स्थिति पर किस प्रकार का संदेश दिया गया है?

उत्तर: फिल्म में महिलाओं के सम्मान, समाज में उनकी स्थिति, और महिलाओं की स्वतंत्रता के बारे में संदेश दिया गया है।

**7. "लाख की चूड़ियाँ" किस राज्य में सेट होती है?**

**उत्तर:** फिल्म "लाख की चूड़ियाँ" का सेटिंग राजस्थान राज्य में होता है।

**8. फिल्म का शीर्षक "लाख की चूड़ियाँ" का अर्थ क्या होता है?**

**उत्तर:** "लाख की चूड़ियाँ" का अर्थ होता है अमूल्य या मूल्यवान चीजें जो समझदारी, साहस और सम्मान को प्रतिनिधित्व करती हैं।

**6. लाख की वस्तुओं का निर्माण भारत के किन-किन राज्यों में होता है? लाख से चूड़ियों के अतिरिक्त क्या-क्या चीजें बनती है? ज्ञात कीजिए।**

**उत्तर:-** लाख की वस्तुओं का निर्माण सर्वाधिक उत्तरप्रदेश में होता है। लाख से चूड़ियाँ, मूर्तियाँ, गोलियाँ तथा सजावट की वस्तुओं का निर्माण होता है।

## 2 अंक वाले प्रश्न

**1. बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव चाव से क्यों जाता था और बदलू को 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' क्यों कहता था?**

**उत्तर:-** बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव चाव से इसलिए जाता था क्योंकि लेखक के मामा के गाँव में लाख की चूड़ियाँ बनाने वाला कारीगर बदलू रहता था। लेखक को बदलू काका से अत्यधिक लगाव था। वह लेखक को ढेर सारी लाख की रंग-बिरंगी गोलियाँ देता था इसलिए लेखक अपने मामा के गाँव चाव से जाता था।

गाँव के सभी लोग बदलू को 'बदलू काका' कहकर बुलाते थे इस कारण लेखक भी 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' कहता था।

**2. वस्तु-विनिमय क्या है? विनिमय की प्रचलित पद्धति क्या है?**

**उत्तर:-** 'वस्तु विनिमय' में एक वस्तु को दूसरी वस्तु देकर लिया जाता था। वस्तु के लिए पैसे नहीं लिए जाते थे। वस्तु के बदले वस्तु ली-दी जाती थी। किन्तु अब मुद्रा के चलन के कारण

वर्तमान परिवेश में वस्तु का लेन-देन मुद्रा के द्वारा होता है। विनिमय की प्रचलित पद्धति पैसा है।

**3. 'मशीनी युग' ने कितने हाथ काट दिए हैं।' – इस पंक्ति में लेखक ने किस व्यथा की ओर संकेत किया है?**

**उत्तर:-** इस पंक्ति में लेखक ने कारीगरों की व्यथा की ओर संकेत किया है कि मशीनों के आगमन के साथ कारीगरों के हाथ से काम-धंधा छिन गया। मानो उनके हाथ ही कट गए हों। उन कारीगरों का रोजगार इन पैतृक काम धंधों से ही चलता था। उसके अलावा उन्होंने कभी कुछ नहीं सीखा था। वे पीढ़ी दर पीढ़ी अपनी इस कला को बढ़ाते चले आ रहे हैं और साथ में रोज़ी रोटी भी चला रहे हैं। परन्तु मशीनी युग ने जहाँ उनकी रोज़ी रोटी पर वार किया है। मशीनों ने लोगों को बेरोजगार बना दिया।

**4. बदलू के मन में ऐसी कौन-सी व्यथा थी, जो लेखक से छिपी न रह सकी?**

**उत्तर:-** बदलू लाख की चूड़ियाँ बेचा करता था परन्तु जैसे-जैसे काँच की चूड़ियों का प्रचलन बढ़ता गया उसका व्यवसाय ठप पड़ने लगा। अपने व्यवसाय की यह दुर्दशा बदलू को मन ही मन कचोटती थी। बदलू के मन में इस बात की व्यथा थी कि मशीनी युग के प्रभावस्वरूप उस जैसे अनेक कारीगरों को बेरोजगारी और उपेक्षा का शिकार होना पड़ा है। अब लोग कारीगरी की कद्र न करके दिखावटी चमक पर अधिक ध्यान देते हैं। यह व्यथा लेखक से छिपी न रह सकी।

**5. मशीनी युग से बदलू के जीवन में क्या बदलाव आया?**

**उत्तर:-** मशीनी युग से बदलू के जीवन में यह बदलाव आया कि बदलू का व्यवसाय बंद हो गया। वह बेरोजगार हो गया। काम न करने से उसका शरीर भी ढल गया, उसके हाथों-माथे पर नसें उभर आईं। अब वह बीमार रहने लगा।

## 4 अंक वाले प्रश्न

### • भाषा की बात

1. 'बदलू को किसी बात से चिढ़ थी तो काँच की चूड़ियों से' और बदलू स्वयं कहता है - "जो सुंदरता काँच की चूड़ियों में होती है लाख में कहाँ संभव है?" ये पंक्तियाँ बदलू की दो प्रकार की मनोदशाओं को सामने लाती हैं। दूसरी पंक्ति में उसके मन की पीड़ा है। उसमें व्यंग्य भी है। हारे हुए मन से, या दुखी मन से अथवा व्यंग्य में बोले गए वाक्यों के अर्थ सामान्य नहीं होते। कुछ व्यंग्य वाक्यों को ध्यानपूर्वक समझकर एकत्र कीजिए और उनके भीतरी अर्थ की व्याख्या करके लिखिए।

उत्तर:- व्यंग्य वाक्य – 'अब पहले जैसी औलाद कहाँ?'

व्याख्या – आजकल किसी भी बुजुर्ग के मुख से आमतौर पर यह सुनने मिलता है जिसमें उनके हृदय में छिपा दुःख और व्यंग्य देखने मिलता है। उनका मानना है कि आजकल की संतान बुजुर्गों को अधिक सम्मान नहीं देती।

2. 'बदलू' कहानी की दृष्टि से पात्र है और भाषा की बात (व्याकरण) की दृष्टि से संज्ञा है। किसी भी व्यक्ति, स्थान, वस्तु, विचार अथवा भाव को संज्ञा कहते हैं। संज्ञा को तीन भेदों में बाँटा गया है –

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, जैसे – लला, रज्जो, आम, काँच, गाय इत्यादि

(ख) जातिवाचक संज्ञा, जैसे – चरित्र, स्वभाव, वजन, आकार आदि द्वारा जानी जाने वाली संज्ञा।

(ग) भाववाचक संज्ञा, जैसे – सुंदरता, नाजुक, प्रसन्नता इत्यादि जिसमें कोई व्यक्ति नहीं है और न आकार या वजन। परंतु उसका अनुभव होता है। पाठ से तीनों प्रकार की संज्ञाएँ चुनकर लिखिए।

उत्तर:- (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा – बदलू, बेलन, मचिया।

(ख) जातिवाचक संज्ञा – आदमी, मकान, शहर।

(ग) भाववाचक संज्ञा – स्वभाव, रूचि, व्यथा।

3. गाँव की बोली में कई शब्दों के उच्चारण बदल जाते हैं। कहानी में बदलू वक्त (समय) को बखत, उम्र (वय/आयु) को उमर कहता है। इस तरह के अन्य शब्दों को खोजिए जिनके रूप में परिवर्तन हुआ हो, अर्थ में नहीं।

उत्तर:- इंसान – मनुष्य

रंज – दुख

गम – मायूसी

ज़िंदगी – जीवन

औलाद – संतान

### रिक्त स्थान प्रश्न और उत्तर भरें

1. "लाख की चूड़ियाँ" एक फिल्म है जो प्राथमिक रूप से समाज में \_\_\_\_\_ की सशक्तिकरण और भूमिका पर ध्यान केंद्रित करती है।

उत्तर: महिलाओं / स्त्रियों / बहनों

2. "लाख की चूड़ियाँ" फिल्म के निर्देशक हैं \_\_\_\_\_।

उत्तर: भीम सैन

3. "लाख की चूड़ियाँ" फिल्म का रिलीज़ वर्ष \_\_\_\_\_ था।

उत्तर: 2002

4. "लाख की चूड़ियाँ" फिल्म की कहानी \_\_\_\_\_ राज्य में सेट है।

उत्तर: राजस्थान

5. फिल्म में, तीन मुख्य पात्रों को \_\_\_\_\_ तरह से दर्शाया गया है।

उत्तर: बहनों / बहनें / भाइ-बहनों

6. "लाख की चूड़ियाँ" शीर्षक का मतलब कुछ ऐसा है जो \_\_\_\_\_ और \_\_\_\_\_ को प्रतिनिधित्व करता है।

उत्तर: मूल्य / महत्ता / महत्त्व / महत्ता

7. "लाख की चूड़ियाँ" फिल्म महिलाओं के \_\_\_\_\_ और सम्मान के महत्व को जोरदारी से दिखाती है।

उत्तर: सम्मान / गरिमा

8. "लाख की चूड़ियाँ" फिल्म के मुख्य किरदारों में से एक बड़ी बहन का किरदार अभिनेत्री \_\_\_\_\_ ने निभाया था।

उत्तर: नुतन

9. इस फिल्म में, तीनों बहनों की जीवन की कहानी \_\_\_\_\_ राजस्थान में होती है।

उत्तर: सेट

10. "लाख की चूड़ियाँ" फिल्म का शीर्षक सिर्फ चांदी, सोने या अन्य संपत्तियों की \_\_\_\_\_ नहीं, बल्कि महिलाओं की आत्ममान्यता और सम्मान को दर्शाता है।

उत्तर: मूल्य

## सारांश:

"लाख की चूड़ियाँ" फिल्म तीन बहनों की जीवन के चारों ओर घूमती है, जो हर एक की अलग-अलग पहचान और सपनों से भरी हुई है। कहानी प्राथमिक रूप से महिलाओं द्वारा सामाजिक चुनौतियों और उनकी सशक्तिकरण की महत्ता पर ध्यान केंद्रित करती है।

बड़ी बहन, जिनका किरदार नुतन ने निभाया है, एक मजबूत इच्छाशक्ति और स्वतंत्र महिला है जो अपने परिवार का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मध्यम बहन, हेलेन द्वारा निभाया गया, सफल अभिनेत्री बनने के सपने देखती है। सबसे छोटी बहन, जिसका किरदार विजया चौधरी ने निभाया है, एक शिक्षा और करियर की इच्छा रखती है, आर्थिक स्वतंत्रता के लिए आग्रह करती है।

फिल्म में उनकी मुश्किलों, आकांक्षाओं और पुरानी सोच वाले समाज में आने वाली बाधाओं को दर्शाया गया है। इसने महिलाओं के सशक्तिकरण, जातिवादी समाज में लोगों की भूमिका, सामाजिक नियमों और महिलाओं के लिए शिक्षा और आत्मनिर्भरता के महत्त्व को उजागर किया है।

कहानी के दौरान, बहनों को उनकी संकल्पना और सहनशीलता का परीक्षण करने वाली चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म उनके सपनों की दिशा में समाजी रूप से बदलाव की दिशा में सामाजिक रूप से प्रभावी बदलाव को प्राप्त करने के लिए समाज में रूढ़िवाद को तोड़ने की उनकी यात्रा को दर्शाती है।

"लाख की चूड़ियाँ" एक दुर्दांत चित्रण है महिलाओं के परिवार में सामाजिक चुनौतियों का, जो व्यक्तिगत पूर्णता और समाज में परिवर्तन की दिशा में आत्म-विश्वास, शिक्षा और सशक्तिकरण की महत्ता को जागरूक करता है।